an>

Title: Motion regarding concurrence in recommendation of Rajya Sabha relating to withdrawal of Motor Vehicles (Amendment) Bill, 1988 (Motion Adopted).

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SHIPPING (SHRI PON RADHAKRISHNAN): On behalf of my senior colleague Shri Nitin Gadkari, I beg to move:

> "That this House concurs in the recommendation of the Rajya Sabha that the Lok Sabha do agree to leave being granted by the Rajya Sabha to withdraw the Bill further to amend the Motor Vehicles Act, 1988 which was passed by the Lok Sabha on the 18th December, 2014 and laid on the Table of Rajya Sabha on the 19th December, 2014."

HON. SPEKAER: The question is:

> "That this House concurs in the recommendation of the Rajya Sabha that the Lok Sabha do agree to leave being granted by the Rajya Sabha to withdraw the Bill further to amend the Motor Vehicles Act, 1988 which was passed by the Lok Sabha on the 18th December, 2014 and laid on the Table of Rajya Sabha on the 19th December, 2014. "

The motion was adopted.

HON. SPEAKER: Now, 'Zero Hour.'

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Please go back to your seats. I will allow you.

...(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): Where is the rule? This is the third time that she is responding. ...(*Interruptions*) Nobody is following the rule....(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I will allow you. You please go back to your seats. Now, 'Zero Hour."

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: What is this? No placards can be shown. You have to go back to your seats. Nothing can be done like this.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned up to 11.30 a.m.

11.17 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Thirty Minutes

past Eleven of the Clock.

11.30 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Thirty Minutes

past Eleven of the Clock.

(Hon. Speaker *in the Chair*)

HON. SPEAKER: Now, we take up `Zero Hour'.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : मैडम, मिनिस्टर ने जो स्टेटमेंट दिया, आपको और हमें, सभी को मालूम है, अमेठी फूड पार्क के बारे में यहां पर तीन बार चर्चा हुई। एक बार किरीट सोमैय्या जी

ने जीरो आवर में मामला उठाया, उसके बाद उसी वक्त फूड प्रोसेसिंग मिनिस्टर ने जवाब दिया, फिर होम मिनिस्टर ने भी इसके बारे में कहा, इसके बावजूद भी everyday, this statement is coming. I want to know as to how it is repeated and under what rule. ...(*Interruptions*) You have got full powers. You should use your power judiciously. This is what I want to say. ...(*Interruptions*) Just because there are powers, one should not give permission repeatedly. We are raising this issue. ...(*Interruptions*) I am ready to take anyâ€¦ ...(*Interruptions*) You punish me. You remove from the membership. I am ready. ...(*Interruptions*) I am ready to face any action. ...(*Interruptions*) I am ready to go. I am ready to vacate my seat but injustice should not be tolerated.

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आप मुझसे बात कीजिए। मैं आपकी बात सुन रही हूं।

â€¦(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Injustice cannot be tolerated like this. We are patiently hearing. It does not mean that five times in this House it is repeatedly raised. ...(*Interruptions*) It is allowed just to defame. ...(*Interruptions*) Then, Madam, you do one thing. You take up this issue for discussion tomorrow. We all will participate. We would know how many Food Parks are there, in what manner. Let us see. ...(*Interruptions*) If everybody requests you, you allow them. But when we request you, you reject our request. Then, what should I say? When we gave Adjournment Motion, you did not give us time. But you asked the concerned Minister. This is not good. This is not fair. We are very much hurt, Madam. We cannot tolerate such things.

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, अब बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, अब आप मेरी बात सुनिए।

â€¦(व्यवधान)

शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैंकैय्या नायडू) : ऐसे धमकी नहीं देना। ...(व्यवधान) सभापति को ऐसे धमकी नहीं देना।...(व्यवधान) कांग्रेस की ओर से इश्यू रेज किया गया, उसी का जवाब मंत्री जी ने आज दिया है। आप लोगों ने इश्यू उठाया था, उसी का जवाब दिया। ऐसे धमकी नहीं देना किसी को, यह अच्छा भी नहीं है।...(व्यवधान) शान्त हो जाइए।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Hon. Members, please take your seats.

आप लोग शान्त हो जाइए। दीपेन्दू जी, आप भी बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : आपके नेता ने बोल लिया है, अब आप बैठ जाइए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप लोगों ने मेरे बारे में कुछ कहा है, आपको गुस्सा है तो क्या आप मेरी बात सुनना चाहेंगे या नहीं? I can understand. आपको गुस्सा है या जो भी है, लेकिन क्यों हुआ है, क्या हुआ है। आपने डायरेक्टली मुझे कुछ कहा, not me - Sumitra Mahajan – but to the Chair you have said something. Why Chair is allowing this?

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष अब खड़गे जी सुनने के लिए भी थोड़ा धैर्य रखें। मैं आपको बताऊंगी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप बैठ जाएं। मैं वन बाई वन सब बातें बताऊंगी। पहली बात यह है कि माननीय राहुल गांधी जी ने कुछ मामला उठाया था। एक तो बार-बार यह कहा जा रहा है कि हम एडजॉर्नमेंट मोशन देते हैं, उस पर समय नहीं मिलता। एडजॉर्नमेंट मोशन डिसअलाउ होने के बाद, आज मुझे इसलिए सब कहना पड़ रहा है कि मैंने वह सब लिख कर रखा है। If you want, I will give you the records. हर समय मैंने जीरो ऑवर में ही क्यों न हो, आपके सदस्यों को, जिस-जिसने भी एडजॉर्नमेंट मोशन दिया है, बोलने का मौका दिया है। कई बार तो एडजॉर्न मोशन इतना सामान्य था कि रेज जीरो ऑवर में उठाने जैसा मामला था या अन्य किसी तरीके से उठाया जा सकता था। Still I have given time. कभी-कभी तो स्थगन प्रस्ताव समय पर भी नहीं आया, फिर भी मैंने बोलने का मौका दिया। खड़गे जी, मेरे पास लिखित में रिकार्ड है, आपने जैसा कहा कि मैं समय नहीं देती।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप बैठ जाएं, कृपया मुझे सुनें। खड़गे जी, बैठे-बैठे न बोलें, कृपया थोड़ा शांत हो जाएं। इतना गुस्सा न कीजिए। दूसरी बात यह है कि कल भी मैंने दीपेन्दू हुड्डा जी के एडजॉर्नमेंट मोशन पर उन्हें बोलने का मौका देने की बात कही थी और मैं बोलने के लिए अलाऊ करती भी रहती हूं। ऐसा नहीं है कि मैं बोलने के लिए अलाऊ नहीं करती हूं, आप बिल्कुल रिकार्ड उठाकर देख सकते हैं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप बैठ जाएं। यह कोई तरीका नहीं है। जहां तक बात है आज के स्टेटमेंट के, तो एक बात यह है कि जब कोई मंत्री मुझे लिखकर देते हैं और लिखित स्टेटमेंट मेरे पास आता है...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप पहले सुन लें। या तो आप मेरे से प्रश्न ही करते रहना चाहते हो तो, if you do not want me as Speaker, I have nothing to say. मगर इस तरह टोका-टाकी नहीं होनी चाहिए। आप बैठ जाएं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: दीपेन्दू जी, पहले सुन तो लीजिए। ऐसा नहीं है।

...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record. अब तो मुझे यह बोलना पड़ेगा।

(Interruptions) â€¦ □

HON. SPEAKER: I have nothing to say. If you want to go to 'Zero Hour', we can take up that. स्टेटमेंट की बात जो मैं कह रही हूं कि जब माननीय राहुल जी ने यह मुद्दा उठाया था, उस समय शायद मुझे ठीक से याद नहीं है कि गृह मंत्री जी ने कहा था कि हम बताएंगे आपको। दूसरे दिन जब यह बात उठी तो दोबारा किरीट जी ने कुछ बात उठाई । उस समय मंत्री जी ने कहा कि मैं बता देती हूं, मगर उस समय उनके मुंह से कुछ गलत शब्द निकले, हल्ला-गुल्ला हो गया, उनकी बात अधूरी रह गई। उन्होंने मुझे आकर बताया कि जो पूरे फैक्टस मैं देना चाहती थी, वे उस समय नहीं आ पाए। अगर आप आज का उनका स्टेटमेंट पढ़ें तो पूरा फैक्ट्स एंड फिगर्स का स्टेटमेंट है। इसलिए मैंने उन्हें स्टेटमेंट देने के लिए अलाऊ किया। आप अगर देखेंगे तो उसमें एक यही बात है कि पूरे फैक्ट्स एंड फिगर्स दिए गए हैं इसलिए मैंने उन्हें अलाऊ किया। अब हम जीरो ऑवर लेते हैं।

श्री राजमोहन रेड्डी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: क्या रूल होता है, क्या जीरो ऑवर में कोई रूल होता है?

...(व्यवधान)

SHRI DEEPENDER SINGH HOODA (ROHTAK): Madam Speaker, I want to raise a point of order. Please allow me. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: ठीक है, दीपेन्द्र जी आप बोलिए, हालांकि यह होता नहीं है।

SHRI DEEPENDER SINGH HOODA: Madam, first of all, you are saying it is 'Zero Hour'. It is not 'Zero Hour'. It is listed business which has come in the List of Business last evening. That is number one.

माननीय अध्यक्ष: लिस्टेड बिजनेस में जीरो ऑवर नहीं लिखा रहता है।